भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *170
03.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

शंघाई कोऑपरेशन आर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट

***170. श्री सैयद इम्तियाज ज़लील:**
श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत ने हाल ही में बिशकेक (किर्गिस्तान) में हुए शंघाई कोऑपरेशन आर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट में भाग लिया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त समिट में भाग लेने वाले देशों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उन विभिन्न देशों के नेताओं का ब्यौरा क्या है जिनके साथ भारत ने एससीओ समिट के इतर बैठकें की तथा इन बैठकों में किन-किन मुद्दों पर चर्चा की गई और क्या आम सहमति बनी;

(घ) क्या विभिन्न देशों के नेताओं ने भारत तथा पाकिस्तान को मुद्दों का द्विपक्षीय समाधान करने एवं चर्चा आरंभ करने हेतु कहा है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विदेश मंत्री
(डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर)

(क) से **(ड.)** विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

"शंघाई कोऑपरेशन आर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट" के संबंध में दिनांक 03.07.2019 को उत्तरार्थ लोकसभा तारांकित प्रश्न सं. *170 के उत्तर के भाग (क) से (ङ) में उल्लिखित विवरण

एससीओ शिखर सम्मेलन 13-14 जून 2019 को बिश्केक में हुआ था। एससीओ के सभी सदस्य राष्ट्र जैसे भारत, कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान,रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने शिखर सम्मेलन में सहभागिता की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व माननीय प्रधान मंत्री ने किया था। एससीओ पर्यवेक्षक राज्य - ईरान, अफगानिस्तान, बेलारूस और मंगोलिया बिश्केक में एससीओ शिखर सम्मेलन के विस्तारित सत्र में सदस्यों के साथ शामिल हुए।

एससीओ शिखर सम्मेलन बैठक से इतर प्रधान मंत्री ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के साथ बैठक की। एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद प्रधान मंत्री और किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सोरोनबाय जेनेबकोव ने द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन बैठक की। इस बैठक के दौरान भारत और किर्गिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों, परस्पर हित के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का गहन आदान –प्रदान किया गया था।

एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों के बारे में कोई चर्चा नहीं की गई थी।

*****